पत्र सूचना शाखा

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0

निर्धारित समय पर सम्पन्न हुए सभी दीक्षान्त समारोह
कई विश्वविद्यालयों में पूर्णकालिक कुलपति नियुक्त किये गये

लखनऊः 27 फरवरी, 2015

उत्तर प्रदेश के राज्यपाल, श्री राम नाईक के प्रयासों से राज्य विश्वविद्यालयों के दीक्षान्त समारोह ससमय सम्पन्न हो गये। प्रदेश में 24 विश्वविद्यालय/संस्थान हैं, जिनमें राज्यपाल, कुलाधिपति एवं कुलाध्यक्ष होते हैं। प्रदेश के तीन विश्वविद्यालय, बांदा कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, बांदा, ख्वाजा मुईनुद्दनी चिश्ती उर्दू, अरबी-फारसी विश्वविद्यालय, लखनऊ तथा मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, गोरखपुर नये है जिनमें वर्तमान में दीक्षान्त समारोह सम्पन्न नहीं होना है। सर्वप्रथम 23 सितम्बर, 2014 को संजय गांधी स्नातकोत्तर आयुर्विज्ञान संस्थान, लखनऊ का दीक्षान्त समारोह सम्पन्न हुआ और अंतिम दीक्षान्त समारोह बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय, झांसी का आज सम्पन्न हुआ है। उल्लेखनीय है कि दीक्षान्त समारोह नियमित आयोजित न होने से कुछ विश्वविद्यालयों के विद्यार्थियों को समय से उपाधि नहीं मिल पाती थी।

राज्यपाल द्वारा शैक्षिक वातावरण को सुदृढ़ करने की दृष्टि से जिन विश्वविद्यालयों में कार्यवाहक कुलपति काम कर रहे थे उनमें नियमित कुलपति नियुक्त किये गये। इस तारतम्य में उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद, नरेन्द्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, फैजाबाद, छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर, सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी, महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी, तथा बांदा कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, बांदा के कुलपति तथा संजय गांधी स्नातकोत्तर आयुर्विज्ञान संस्थान, लखनऊ में निदेशक की नियुक्ति की गयी है।

श्री नाईक ने 5 जनवरी, 2015 को राजभवन में कुलपति-कुलसचिव बैठक का आयोजन किया था। बैठक में विश्वविद्यालयों के मध्य स्वच्छ प्रतिस्पर्धा बढ़ाने हेतु राज्य स्तर पर ''चांसलर अवार्ड'' दिये जाने का निर्णय लिया गया। विश्वविद्यालय की विशेषता को देखते हुए नैक प्रणाली के अन्तर्गत नैक मूल्यांकन के लिये कमी पूरी करके कार्रवाई करने का निर्णय हुआ था। वर्तमान में बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय, झांसंी एवं सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी के ही नैक मूल्यांकन वैध हैं। उन्होंने निदेशित किया था कि परीक्षा समय पर हो, नकल रोकने के लिए सख्त कदम उठाये जायें तथा परीक्षाओं के परिणाम भी समय पर घोषित किये जाये। साथ ही साथ छात्रसंघ चुनाव से पढ़ाई में बाधा न उत्पन्न हो इस उद्देश्य से अगले शैक्षिक सत्र में अगस्त माह में छात्रसंघ चुनाव सम्पन्न कराने का निर्णय भी हुआ था।

ज्ञातव्य है कि राज्यपाल ने 22 जुलाई, 2014 को पदभार ग्रहण करने के बाद उच्च शिक्षा में गुणात्मक सुधार एवं सत्र को सुचारू रूप से चलाने हेतु कुलपतियों से अलग-अलग भेंट कर उनसे समय पर परीक्षाएं करवाने एवं परीक्षा परिणाम घोषित करने तथा दीक्षान्त समारोह निर्धारित समय पर आयोजित करने के निर्देश दिये थे।